पौलुस की तरह नए चरवाहे बनाओ

नए अगुवों को प्राशिक्षित कीजिए जैसे प्रभु यीशु ने प्रेरितों को किया

(जो बच्चो को पढ़ाए वह पाठ्यक्रम ऐ 2 ब ज़रूर पढ़े)

प्रार्थनाः ''प्रभु हमारी सहायता करे अपने वचन को लोगो तक पहुंचाने के लिए और उनके अगुवो को पौलुस की तरह प्रशिक्षण देने में''

सुनो! प्रशिक्षक सर्वप्रथम अपने प्रशिक्षार्थी से उसकी कलिसिया की जरूरतो को जानें। तब अपने पाठ्क्रमों में से प्रशिक्षार्थी को वह पाठ्यक्रम दे जो उसकी वर्तमान ज़रूरत के अनुकुल हो (मती 13:52)

1. अपने हृदय और मास्तिष्क को प्रभु के वचन से तैयार करो

देखो तीतुस 1:5 में पौलुस तीतुस को क्रेते में क्या करने को कहता है

(उतरः तीतुस ने प्रत्येक नगर के शेष कामों को नियुक्त करके सुधारा पौलुस ने क्रेते में छोड़ने से पहले तीतुस को प्रशिक्षण दिया ताकि वह भटके हुओं को प्रशिक्षण दे)

देखो 2 इतिहास 17:3–9 में वर्णन प्रभु के वचन का विस्तार शिक्षा के माध्यम से

- राजा यहोशापात शिक्षकों का समूह बनाया जो प्रभु के वचन की उन नगरों में ले गया जहाँ वचन नहीं था।
- वह शिक्षक लोगों को प्रधान संस्था तक न लाकर, वचन को लोगों के पास लेकर गए यह तरीका आज भी नई कलीसिया बनाने के लिए
- आधुनिक समय में शिक्षक अगुवों को दो तरह से पढ़ाते हैं।

  1) परम्परागत तरीके से कक्षा में बड़े समूह को शिक्षा देना।

  2) छोटे समूह की बन्धुता से प्रशिक्षण देना जिस प्रकार प्रभु यीशु ने अपने प्रारितों को प्रशिक्षित किया।
- परम्परागत कक्षा में शिक्षा तब क्षमताशाली होगी जब परिपक्व शिक्षक और स्थापित चर्च जिनकी कोई अन्य समस्या नही है शिक्षा में योगदान दे।
- नए चर्चों या कलिसियाओं में, जिनके सम्मुख कई ज्वलन्त समस्याएँ है, प्रशिक्षण तभी क्षमताशाली होगा जब शिष्यों को उसी तरह प्रशिक्षित किया जायें जैसे प्रभु यीशु ने अपने प्रेरितों को प्रशिक्षित किया।
- नई कलीसियाएँ नवजात शिशुओं के समान है जिनकी आवश्यकताएँ जरूरी होती है। उन्हें परिपक्व अगुवों की ज़रूरत होती है जो उनकी आवश्यकताओ को जानकार उसी प्रकार शिक्षा प्रधान करें।

देखो 2 तीमुथियुस 2:2 में पौलुस की चार कड़ियो की श्रृंखला

चार कड़ियां है:

1) पौलुस जिसने यह निर्देष लिखे कलिसिया द्वारा अन्ताकिया भेजा गया (प्रेरित 13:1–3)

2) तीमुथियुस जिसने यह निर्देष प्राप्त किया उसने इफिसुस में रहकर दूसरें को प्रशिक्षित किया (1 तिमुथियुस 1:1–5)

3) विश्वासी मनुष्य जिन्होंने तिमुथियुस से इफिस्सुस और उसके आस पास प्रशिक्षण प्राप्त किया. इनमें से एक था इपफ्रास जिसने कुलुस्से की कलिसिया को शिक्षा दी (कुलुस्सियों 4:12–13)

4) अन्य जातिया जिनको इपफ्रास ने हियरपुलिसवालो में प्रशिक्षित किया (कुलुस्सियों 4:12–13)

इसको दुबारा जारी रखने के लिए हमे नए–नियम के दिशानिर्देश अपनाने होंगे।

- कलीसिया अपने प्रेरित भेजे ताकि नहीं कलीसिया शुरू की जा सके। यह भेजे हुए प्रेरित हो जिसका परमेश्वर ने इफिसिये 4:11–12 में वादा किया था, जो हरएक कलिसिया को दिया जाए।
- चारवाहे नये चारवाहों को जल्दी प्रशिक्षण दें। जैसा पैलुस ने 2 तिमुथियुस 2:2 में लिखा है।
- **सिखाने वाला(बनाने वाला)**
    1) सीखने वाला चाहता है कि तुरन्त अपने झुण्ड के साथ अभ्यास करे , न कि बेकार की भविष्य में होने वाली उन्नति का इन्तजार करें (याकूब 1:22 और 2तिमुथियुस 2:16–17)
    2) जो नए नियम की माँग है, चाहता है एक व्यक्ति के लिए जो चारवाहा बनना चाहता है, मनुष्य के बनाये हुए माँगो के बिना, जिसकी वजह से कुछ चारवाहे निकाल दिए गए थे, जो परमेश्वर द्वारा आशीषित थे। झुण्ड (तितुस 1:5–9) की रखवाली करे।
- सिखने वाला (विद्यार्थी पादरी)
    1) अपने सलाहाकार के साथ जो योजना बनाई वह तुरन्त अपने झुण्ड के साथ शुरू करें।
    2) सिखने वाले तुरन्त नए को सलाह दें। ताकि नई कलिसिया को जारी रखा जा सकें। कार्यकर्ता नया काम शुरू करने के लिए, अपने झुण्ड को हमेशा के लिए न छोड़े। जैसे प्रेरितो के काम अध्याय 13 और 14 में पैलुस और बरनाबास अपनी कलिसियाओ में वापस आ सकते थे।

2) अपने सहकर्मी के साथ उपाय कीजिए कि कलीसिया सप्ताह के दौरान क्या करेगी।

- पता कीजिए आपके नजदीक कौन सी कलीसिया की चारवाहे को जरूरत है। तितुस ने नाम लिया और बड़े पादरियो को काम सौपा कि वह कलिसिया की जरूरतों का ख्याल रखें।
- यदि कोई उन झुण्डो के लिए नए अगुवे को प्ररिक्षण नहीं दे रहा, तब प्रार्थना में जाकर यह फैसला करे यह कौन करेगा।
- उन लोगों से बात करो, जिनको तुम या दूसरे चारवाहें, अगुवो का प्रशिक्षण दे। प्रशिक्षण को व्यवस्था करे, जैसे पौलुस ने किया, जिससे बहुत शीघ्र बहुत सी कड़िया बन गई।
- नए सीखने वालो को सहायता करें ताकि वह अपने परिवारो और नजदीकी दोस्तो के चारवाहें बन सकें।

3) अपने सहकर्मी के लिए आने वाली प्रार्थनाओ को गतिविधियो की योजना बनाए।

वह गतिविधिया चुनिए जो वर्तमान जरूरतों और स्थानिय रीति–रिवाज के अनुसार हो।

यहोशापात के गुरू की कहानी बताए तथा जो विषय भाग एक के अन्तर्गत है

उनकी व्याख्या करें। कि पौलुस ने तीतुस को क्रेते मे क्यों छोड़ा और आपके झुण्ड का सलाहकार क्या करेगा जो तीतुस न किया।

सावधानी से उन चार को व्याख्या करो जो 2 तिमुथियुस 2:2 में सलाहकारो की जंजीर थी, और परमेश्वर,कैसे आपके झुण्ड की सहायता करेगा ताकि उसी प्रकार की उत्पति कायम रहें।

अपने जो योजना या गतिविधिंया सप्ताह के दौरान करनी है उसकी घोषणा करें और व्याख्या दें।

बच्चो से कहें कि कविता, नाटक या प्रश्न जो उन्होंने तैयार किए है वह प्रस्तुत करे तथा लोगों से प्रश्न पूछें।

दो चा तीन लोगो के समूह बनाए, प्रार्थना करें, गतिविधियाँ तैयार करे तथा एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

प्रभु भोज के परिचय के लिए। कुरिन्थियो 11:34 पढ़ें।

व्याख्या करो कि कुरिन्थिवासी जब प्रभु भोज मनाते थे तो वह साधारण या प्रतिदिन का भोजन खाते थे जो कि आत्मिक भोजन से ज्यादा ध्यान योग्य था। हमें भी यीशु की मौजूदगी की इज्जत बहुत ही पवित्र तरीके से करनी चाहिए।

गवाहियाँ सुनें कि किस तरह विश्वासी पौलुस की तरह विश्वासी बना।

शैतान अपने हाय मलता है और और योजना बनाता है शंका न करने वाले शिक्षक के मन में, शिक्षा देकर वह दुष्ट हंसी देता है, और भेदने वाले आरि चलाता है वह उसे कहता है 'मानवी बुद्धि'। वह उस लोगों को लगता है जो अपने आप को होशियार समझते हैं।

तितुस अध्याय 1:5 **याद करें।**